ISSN 2581-9917

Feedback on June 2020 Issue

'संवेदना' ई-पत्रिका का द्वितीय अंक आद्योपान्त पढ़ा।

विषय के अनुरूप 'संवेदना' ने महिलाओं की स्थिति के अनेक आयामों का व्यापक आकलन प्रस्तुत किया है एवं अर्थ के अनुरूप संवेदनशील बिंदुओं, प्रश्नों और उनके समाधान की ओर इंगित भी किया है।

'**Self-Respect**' में डॉ.प्राची बागला ने बाबा का शब्दचित्र उकेरते हुए उनके संघर्ष, विश्वास, साहस, स्वाभिमान, सकारात्मकता को नमन करते हुए एक बहुत संवेदनशील और संभवतः बहुत उचित प्रश्न भी उठाया है...इस प्रकार के व्यवहार के प्रति उनकी (दिवंगत) पत्नी क्या कदम उठातीं?

उत्तर अनेक हो सकते हैं लेकिन अपने अनुभव से एक बात तो मैं कह सकता हूँ कि भारतीय नारी अपना अपमान भले ही सह ले, अपने पति का अपमान सहन नहीं करती। वह अपने प्रति किए गए अपराध को क्षमा कर सकती है,पर पति के सम्मान के प्रति बहुत सजग होती है। निश्चय ही वह भी बाबा के साथ घर से निकल ही नहीं आती, अपितु घर छोड़ देने की पहल, निर्णय वह ही करती। भारतीय नारी का मन ऐसा ही है। क्यों? नहीं जानता।

The Faminine Nature... भारतीय चिंतन परंपरा के एक विशेष आयाम पर विचार करता शोध लेख है। रित शब्द आज प्रयोग में लगभग नहीं रह गया। विश्व-व्यवस्था के नियमों की आख्या इस शब्द के माध्यम से पूर्व मनीषियों ने की है। प्रकृति अपने विभिन्न रूपों, आयामों, उपादानों और प्रतीकों सहित इसमें समाहित है।

आगे के दोनों लेख अपने अपने विषय के साथ न्याय करते हैं। आज के ज्वलंत विषयों को विचार के केन्द्र में रखकर अत्यंत परिश्रमपूर्वक सामग्री का संकलन करते हुए वर्गीकरण, विश्लेषण, विवेचन इनकी विशेषता है।

The Resilient Begum... इतिहास के पन्नों पर एक दृष्टि है तो **Corporate Social Responsibility...**, **Women Empowerment...** एवं **Assessment of Rights** अपने शीर्षकों के अनुरूप विभिन्न दृष्टियों से महिला सशक्तिकरण संबंधी पर्याप्त जानकारी देने वाले लेख हैं। एक अच्छी कविता भी इसमें है।

पत्रिका का हिंदी विभाग भी उतना ही संवलित है। 'स्त्री पुरुष विमर्श' आज के सर्वाधिक प्रचलित विमर्शों में से है। 'बलिया पट्टी की कथा' बिहार के ग्रामीण जीवन का दिग्दर्शन है। 'बालादेवी' महिला फुटबॉलर के विषय में है। भारतीय महिलाएँ जीवन के उन क्षेत्रों में भी बहुत आगे बढ़ी हैं, जो अभी कुछ समय पूर्व तक उनके लिए निषिद्ध माने जाते रहे।

'जल थल मल' पुस्तक की समीक्षा में ''दिल्ली के पानीदार इतिहास'' के बहाने आज की बड़ी समस्याओं पर विचार इसकी विशेषता है ग्तीन अच्छी कविताएँ इसके साहित्य - पक्ष की पूर्ति करती हैं।

समाचार विचार पत्रिका को पूर्णता प्रदान करता है तो **Sketches** गत अंक का स्मरण है।

संपादक महोदया की उन्नत कल्पनाशीलता इस पत्रिका के रूप में हमारे सामने है, यह लिखने में मुझे रत्ती भर भी संकोच नहीं है। इस पत्रिका के पहले अंक ने ही मुझे ई-पत्रिकाओं का पाठक बनाया है। पत्रिका की सज्जा सुंदर सुरुचिपूर्ण है।

पत्रिका की संपादिका, उनके सभी सहयोगियों को साधुवाद। ईश्वर उन्हें यशस्वी बनाएँ, ऐसी कामना...

डॉ. ललित गोस्वामी
एसोसिएट प्रोफेसर (सेवानिवृत)
पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज, नई दिल्ली।

Nice collection of articles .

The article titled Self Respect very well set the ball rolling by the story of this braveheart.

I strongly feel that India needs an effective social security net for the elderly. I also feel that one should do one's best in educating and settling the children. And expect nothing in return.

Dr. Umesh Bareja
Consultant & Surgeon
Sita Ram Bharatia Hospital